भजन

हो पिया जी–हो पिया जी
मैं दीदार तेरा पाऊं जी,कोई मीठी बात करो जी

1– खेल में आपने ही जगाया है
फरामोशी में मैं सोई थी
2– अर्शे खिलवत के सुख याद कर कर के
पिया मिलन को तरसे ये रूह जी
3– अर्श बागों में नेंह बरस रहया
मोर कोयल का मीठा स्वर गूंज रहया
हमको क्यों इनसे रखा जुदा जी
4– अर्श झरोखों पे आई रूहें देखन
बादलों से घिरा लगे सुन्दर बन
ये अपना है निजघर जी
5– घेरों घेर पसु पंखी बन में डोलें
पिऊ पिऊ तू ही तू ही मीठे बोल बोलें
देख रूहों को मिलता सुख जी
6– मेरे मीठे मेहेबूब मेरे प्यारे पिया
नैनों को तेरी ही आस है पिया
करो मेहर तो लागूं गले जी